संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार — CCRT Newsletter

खण्ड 4 • अंक 02 • फरवरी 2026 — Volume 4 • Issue 02 • February, 2026

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

नव-शास्त्रीय (निओ-क्लासिसिझम) युग में कला-दर्शन का रहस्य जानना आवश्यक है। फ्रांस में सत्रहवी सदी की शुरूआत में तर्कशास्त्र (लॉजिक) इस विषय की प्रधानता रही। इंग्लैंड में देकार्त के दर्शनशास्त्र में पहली बार तर्कशास्त्रीय प्रवृत्ति का दर्शन हुआ। सत्रहवीं सदी की दर्शनशास्त्र एवम् कला-अंतर्गत नव-शास्त्रीय वाद समांतर रूप से चले। ये सारे दार्शनिक बहोत जल्दी ॲरिस्टॉटल के विरूद्ध चले गये। इनसे कला को नई प्रेरणा मिली। ग्रीक दार्शनिकों में नवीन-विचारों का आदर्श प्लेटो अथवा ॲरिस्टॉटल नहीं, बल्कि डेमोक्रिटिस थे। इन्होंने तर्कशक्ति का उपयोग राजनीति, तथा मनोविज्ञान के क्षेत्र में किया। इनके विचार कोपरनिकस, गॅलिलिओ, केप्लर तथा न्यूटन से मिलते थे। संक्षिप्त में यह कहा जा सकता है कि फ्रांस के नाटककार तथा समीक्षकों ने अपने देश के लिए तथा अपने वर्तमान के लिये नए

विवेकपूर्ण जीवन की शुरूआत की। इसके लिए उन्होंने दर्शनशास्त्र की मदद नहीं ली। इस युग के दार्शनिक ज्ञान प्राप्त करने में तथा गणित-विज्ञान में इतने व्यस्त थे कि साहित्य तथा कलापूर्ण दुनिया की ओर उन्होंने सहानुभूति-पूर्वक नहीं देखा। दर्शनशास्त्र ने नए वैज्ञानिक सिद्धांत प्रस्थापित किये एवम् स्वयं को अधिक शक्तिमान बनाया। किन्तु इन्होंने कल्पना रूपी विविधता को तीलांजली दे दी। इस युग के दर्शनशास्त्र की तुलना किसी ऐसे प्रियतमा के साथ की जा सकती है जो अपने प्रेमी को पाने के लिए शत्रु की आलोचना करती है। इस प्रकार दर्शनशास्त्र ने गणित का समर्थन लेने के पक्ष में काव्य तथा ललित कल्पनाओं की निर्भत्स्ना की। इस युग के महान दार्शनिक में देकार्त, स्पिनोझा, लिबनिज, बेकन, लॉक, हाब्स तथा पास्कस प्रमुख थे।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

फरवरी 2026 की प्रमुख गतिविधियाँ

कार्यशाला (प्रशिक्षण) अनुभाग/ WORKSHOP (TRAINING) SECTION

"प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका" विषय पर कार्यशाला

(02 से 11 फरवरी, 2026 तक सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली)

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), नई दिल्ली द्वारा दिनांक 02 से 11 फरवरी, 2026 तक सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में "प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका" विषय पर महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में 09 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से आए 53 सेवारत शिक्षक प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना तथा विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों में इन मूल्यों के संवर्धन हेतु व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित करना है।

इस कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ सीसीआरटी के माननीय अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर जी के कर कमलों द्वारा किया गया था।

इस कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान एवं प्रायोगिक सत्रों के माध्यम से प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर गहन प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें शिक्षण-अधिगम की नवीन तकनीकों पर विशेष बल दिया गया।

इस कार्यशाला का सिद्धि समारोह दिनांक 11 फरवरी 2026 को सीसीआरटी के निदेशक महोदय श्री राजीव कुमार जी की वर्चुअल माध्यम से गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। निदेशक महोदय ने अपने उद्बोधन से सभी शिक्षक प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया एवं उन्हें उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अंत में, कार्यशाला अनुभाग के उपनिदेशक श्री आशुतोष जी ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर कार्यशाला का सफल समापन किया।

माता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में "कर्मयोगिनी माता अहिल्या" - एक भव्य, प्रेरणादायी एवं ऐतिहासिक महानाट्य का मंचन

19 फरवरी 2026 लोकमाता देवी अहिल्या सभागृह, तक्षशिला परिसर, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर

संस्कृति मंत्रालय के स्वायत्त संगठन सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र द्वारा लोकमाता, मालवा की महान शासिका एवं कर्मयोग की सजीव प्रतिमूर्ति माता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में भव्य एवं प्रेरणादायी महानाट्य "कर्मयोगिनी माता अहिल्या" का मंचन गुरुवार, 19 फरवरी 2026 को लोकमाता देवी अहिल्या सभागृह, तक्षशिला परिसर (खंडवा रोड), देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

इस विशेष अवसर पर सोलहवीं लोकसभा की अध्यक्ष रहीं माननीय श्रीमती सुमित्रा महाजन जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सीसीआरटी, नई दिल्ली के माननीय अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रस्तुत इस महानाट्य ने माता अहिल्याबाई होल्कर के प्रेरणास्पद जीवन, त्याग, सेवा और सुशासन की गौरवशाली विरासत को सशक्त सांस्कृतिक अभिव्यक्ति दी।

41 प्रतिभाशाली कलाकारों के जीवंत अभिनय ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया और पूरा सभागार तालियों की गूंज से गुंजायमान हो उठा। इंदौर में यह आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित, प्रभावशाली एवं स्मरणीय सिद्ध हुआ।

22 फरवरी 2026 क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर, राजस्थान

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर सीसीआरटी द्वारा प्रस्तुत महानाट्य "कर्मयोगिनी माता अहिल्या" ने उदयपुर की सांस्कृतिक फिजा में एक अमिट छाप छोड़ी। 22 फरवरी 2026 की वह प्रेरणादायी संध्या आज भी दर्शकों के मन में उतनी ही ताजा है।

मेवाड़ की गौरवशाली धरती पर साकार हुई इस भव्य प्रस्तुति ने माता अहिल्याबाई के सेवा, त्याग, सुशासन और लोककल्याण के आदर्शों को अत्यंत प्रभावशाली रंगमंचीय रूप में सामने रखा।

यह महानाट्य संस्कृति और राष्ट्रगौरव के अद्भुत संगम का साक्षी। इस महानाट्य ने कर्मयोगिनी माता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों को प्रेरक सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के रूप में सजीव करते हुए दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी।

यह महानाट्य सीसीआरटी, नई दिल्ली के माननीय अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर के मार्गदर्शन में संकल्पित एवं निर्देशित किया गया तथा लेखन डॉ. जूलेशा सिद्धार्थ द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

एनईपी-2020 के अनुरूप 513वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(4 से 24 फरवरी 2026, सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद)

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में एनईपी 2020 के अनुरूप 513वाँ अनुस्थापन पाठ्यक्रम दिनांक 4 से 24 फरवरी 2026 आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 5 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों; दिल्ली, गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र और सिक्किम; से कुल 22 शिक्षक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति के मूल सिद्धांतों के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा विद्यालयी शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में कला एवं संस्कृति आधारित घटकों को समाहित करने की पद्धतियों को सुदृढ़ करना था। उद्घाटन सत्र प्रतिभागियों का परिचय, पाठ्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी तथा सीसीआरटी के संस्थागत परिचयात्मक वीडियो का प्रदर्शन किया गया।

पाठ्यक्रम के दौरान विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा भारतीय संगीत, भारतीय रंगमंच, भारतीय भाषाएँ एवं साहित्य, समकालीन चित्रकला, भारतीय हस्तकरघा परंपरा, कला एवं विरासत संरक्षण, मीडिया और भारतीय समाज, गांधीवादी शिक्षा दर्शन, योग एवं मानसिक स्वास्थ्य, स्वच्छ भारत मिशन में अपशिष्ट प्रबंधन, पुरातत्व एवं जैव विविधता जैसे विविध विषयों पर व्याख्यान-प्रदर्शन सत्र आयोजित किए गए। साथ ही भरतनाट्यम, मोहिनीयट्टम, कर्नाटिक संगीत तथा क्षेत्रीय लोक कलाओं पर व्याख्यान-प्रदर्शन ने प्रतिभागियों को भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं की गहन समझ प्रदान की। प्रशिक्षण के

अंतर्गत सालारजंग संग्रहालय, कुतुबशाही मकबरे, गोलकोंडा किला, नेहरू जूलॉजिकल पार्क तथा शिल्पारमम जैसे स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया। व्यावहारिक कौशल विकास के अंतर्गत टाई-एंड-डाई, पॉटरी, एप्लिक आर्ट तथा चेरीयाल पेंटिंग जैसी पारंपरिक शिल्प कार्यशालाएँ आयोजित की गई, जिनमें प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए कला आधारित शिक्षण के विभिन्न आयामों को समझा।

स्वच्छता एक्शन प्लान के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा - 14 से 28 फरवरी, 2026

स्वच्छता एक्शन प्लान (SAP)-2025 के अंतर्गत सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में 14 से 28 फरवरी 2026 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. संदीप शर्मा, उपनिदेशक (प्रशिक्षण/नोडल अधिकारी SAP) द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाई गई तथा श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की। पखवाड़े के दौरान "स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत" विषय पर नारा प्रतियोगिता, स्वच्छ भारत मिशन पर नुक्कड़ नाटक, तथा वेस्ट-टू-आर्ट गतिविधि के अंतर्गत राष्ट्रीय पक्षी मोर का निर्माण कराया गया। इसके अतिरिक्त, सिग्नेचर ड्राइव और सामूहिक श्रमदान जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। समापन अवसर पर नारा प्रतियोगिता के विजेताओं को सीसीआरटी के चेयरमैन श्री विनोद नारायण इंदुरकर द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

स्वच्छता कार्यशाला सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के अंतर्गत 17 से 20 फरवरी 2026 तक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में स्वच्छता संबंधी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। 18 फरवरी को शिक्षक प्रतिभागियों की उपस्थिति में स्वच्छता शपथ, स्वच्छता रैली एवं श्रमदान गतिविधि आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने केंद्र परिसर से हाईटेक सिटी कॉमन जंक्शन तक जागरूकता रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। इसके अतिरिक्त परिसर में सफाई अभियान चलाया गया तथा कचरा पृथक्करण एवं सुरक्षा उपायों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। 20 फरवरी को "सफाई मित्र सुरक्षा शिविर" आयोजित किया गया, जिसमें ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के स्वच्छता कर्मियों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित हुआ तथा सीसीआरटी के चिकित्सक द्वारा उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

स्वच्छता कार्यशाला सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, दमोह

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के अंतर्गत 26 फरवरी 2026 को सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह में स्वच्छता विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई । इस अवसर पर स्वच्छता विषयक चित्रकला कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें लगभग 280 विद्यार्थियों ने भाग लिया । इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों और प्रतिभागियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से स्वच्छ भारत के संदेश को व्यापक रूप से प्रसारित करना था ।

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन, गांधीनगर के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

25 फरवरी 2026 को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन (प्प्ज्म्), गांधीनगर, गुजरात के एम.ए. एवं एम.एड. (शिक्षा) अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने सीसीआरटी मुख्यालय परिसर का शैक्षणिक भ्रमण किया । इस अवसर पर विद्यार्थियों को सीसीआरटी की दीवारों एवं प्रदर्शनी कक्षों का अवलोकन कराया गया तथा डॉ संदीप शर्मा, उपनिदेशक (प्रशिक्षण) द्वारा संस्थान के उद्देश्यों, गतिविधियों और सांस्कृतिक शिक्षा में इसकी भूमिका के संबंध में एक संक्षिप्त परिचयात्मक सत्र आयोजित किया गया । इसके साथ ही विद्यार्थियों के लिए मधुबनी चित्रकला एवं पॉटरी (मिट्टी शिल्प) की शिल्प कार्यशालाएँ आयोजित की गई, जिनमें उन्होंने सक्रिय सहभागिता करते हुए भारतीय पारंपरिक शिल्पों के व्यावहारिक पहलुओं का अनुभव प्राप्त किया।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक 3 से 7 फरवरी 2026 तक परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग, एमएलए कॉलेज, 14वीं क्रॉस, मल्लेश्वरम, बेंगलुरु-560003, कर्नाटक में आयोजित की गई। इस क्षेत्रीय चयन समिति की बैठक में 20 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया। बैठक में लगभग 289 नए आवेदकों तथा लगभग 123 वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों को आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक 21 से 26 फरवरी 2026 तक क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, पं. जवाहरलाल नेहरू

मार्ग, भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित की गई। इस क्षेत्रीय चयन समिति की बैठक में विभिन्न क्षेत्रों से कुल 22 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया। बैठक में लगभग 333 नए आवेदकों तथा लगभग 128 वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों को आमंत्रित किया गया।

पाँच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यशाला

सीसीआरटी ने 11 से 15 फरवरी 2026 तक उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित नौ इंटरप्रिटेशन केंद्रों में संस्कृति परियोजना के अवसर पर पाँच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें संगीत, नृत्य, नाटक एवं दृश्य कला के क्षेत्रों में इंटरप्रिटेशन केंद्रों से लगभग 180 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

ओल चिकी लिपि (1925-2025) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम

सीसीआरटी ने ओल चिकी लिपि (1925-2025) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 15 से 17 फरवरी 2026 तक दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 15 फरवरी 2026 को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 4 समूहों ने प्रस्तुति दी।

मूल्यांकन अनुभाग/ EVALUATION SECTION

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों का समारोह आयोजन

विस्तार सेवा एवं समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के अंतर्गत एक शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया जिसमें सीसीआरटी मुख्यालय के साथ राजकीय बालक माध्यमिक विद्यालय मॉडल बस्ती, दिल्ली के 200 छात्रों के लिए एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में कमल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड एडवांस टेक्नोलॉजी, उत्तम नगर, नई दिल्ली, सी.एम. यूथ क्लब, बी-33, श्याम विहार, नजफगढ़, नई दिल्ली तथा द्वारकाधीश आई टी स्किल ट्रेनिंग सेंटर, सेक्टर 19, द्वारका, नई दिल्ली ने भाग लिया। यह कार्यक्रम

16 फरवरी 2026 को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम "ओलचिकी लिपि के 100 वर्ष पूरे होने" के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

"रचनात्मक कठपुतली कला की विरासत" विषय पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

सीसीआरटी द्वारा क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर में दिनांक 02 से 06 फरवरी, 2026 तक "रचनात्मक कठपुतली कला की विरासत" विषय पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षा में कठपुतली की भूमिका विषय पर प्रशिक्षित सीसीआरटी के कुल 115 शिक्षकों ने भाग लिया, जो 15 विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से आए थे। इस पाठ्यक्रम कार्यक्रम में सीसीआरटी के उपनिदेशक डॉ. राहुल कुमार द्वारा "Puppetry as a medium of inculcating the understanding of mythological texts, stories, legends and traditions" विषय पर व्याख्यान दिया गया।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली: फरवरी 2026 में सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में 4 विद्यालयों में कुल 1276 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर: फरवरी 2026 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर में 8 विद्यालयों में कुल 1478 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद: फरवरी 2026 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में 4 विद्यालयों में कुल 1427 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी: फरवरी 2026 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी में 3 विद्यालयों में कुल 1049 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, दमोह: फरवरी 2026 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी में 3 विद्यालयों में कुल 1525 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

फरवरी 2026 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 6,755 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी	**डॉ. राहुल कुमार,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी	**श्री दिबाकर दास,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (मूल्यांकन एवं अध्येतावृत्ति)	**श्री आशुतोष,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)	**डॉ. संदीप शर्मा,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह, मध्य प्रदेश
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति)	
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II, सामान्य प्रशासन एवं उत्पादन)	
श्री अनुभव सिंह, उप निदेशक (प्रशासन)	
श्री राम सरन, उप निदेशक (वित्त)	

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार,** निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **अनुज कुमार बाजपेयी**, क्षेत्राधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कुमार**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर